सचिव, सिंचाई, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय जल मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की कार्य योजना बनाने हेतु बापू भवन स्थित उनके सभाकक्ष में सम्पन्न कोर ग्रुप की द्वितीय बैठक दिनाँक 14 अगस्त, 2012 का कार्यवृत्त

बैठक में निम्नलिखित अधिकारी/विशेषज्ञ उपस्थित हुए–

1. सुश्री अनामिका सिंह, निदेशक, नेडा।
2. श्री राधा चरन, मुख्य अभियन्ता, स्वारा, लखनऊ।
3. श्री ए0के0 मित्तल, मुख्य अभियन्ता, यू0पी0जल निगम।
4. श्री पी0 के0 सिन्हा, प्रमुख अभियन्ता (नागर), उत्तर प्रदेश जल निगम।
5. श्री संजय मारवाह, वरिष्ठ हाइडोलॉजिस्ट, केन्द्रीय भू–जल बोर्ड, उत्तर क्षेत्र।
6. श्री जी0डी0 सिंहल, जल संसाधन प्रबन्धन विशेषज्ञ, यू0पी0एस0 जी0आर0बी0ए0।
7. श्री ए0वी0 अग्रवाल, वैज्ञानिक, आरसैक, उत्तर प्रदेश।
8. श्री एस0आर0कौशल, संयुक्त निदेशक, कृषि (खाद्य उत्पादन)।
9. श्री विकास रंजन, वैज्ञानिक–सी, केन्द्रीय भू–जल बोर्ड, उत्तर क्षेत्र।
10. डॉ0 आर0के0 सरदाना, संयुक्त निदेशक, पर्यावरण निदेशालय।
11. श्री सुदर्शन यादव, संयुक्त निदेशक, भू0वि0ज0सं0।
12. श्री रवीन्द्र कुमार, पेयजल विशेषज्ञ, स्वारा।
13. डॉ0 एस0पी0 सिंह, कृषि विशेषज्ञ, स्वारा।
14. श्री जी0पी0 पाण्डेय, हाइड्रोलोजिस्ट, स्वारा।
15. डॉ0 योगेश बन्धु, अर्थशास्त्री, स्वारा।
16. श्री महेश राम, सहायक अभियन्ता, स्वारा।
17. सुश्री नम्रता खेरा, पी0ओ0, नेडा।

प्रो0 ए0के0 गोसाईं, आई0आई0टी, दिल्ली एवं डा0 सुरेश रोहिला, डायरेक्टर, सी0एस0ई0, नई दिल्ली ने विदेश प्रवास के कारण बैठक में प्रतिभाग में असमर्थता प्रकट की है।

सचिव, सिंचाई, उत्तर प्रदेश शासन ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए मा0 प्रधान मंत्री जी द्वारा जलवायु परिवर्तन के अन्तर्गत राज्य जल मिशन से सम्बन्धित चिन्हित रणनीतिक बिन्दुओं के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए एतद् विषयक जानकारी सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध कराने, नागरिक जागरूकता, और राज्य के जल संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, भण्डारण तथा जल उपयोग दक्षता में वृद्धि करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य की कार्य योजना बनाने हेतु उपस्थित सदस्यों एवं विशेषज्ञों के योगदान का आह्वान किया।

2. श्री रवीन्द्र कुमार, पेयजल विशेषज्ञ, स्वारा ने पर्यावरण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जल मिशन से सम्बन्धित विभिन्न विभागों से उनकी कार्य योजनाएं शीघ्र प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। कोर ग्रुप द्वारा चिन्हित कार्य बिन्दुओं पर समयबद्ध कार्य योजना एवं प्राक्कलित धनराशि की अपेक्षा विभिन्न विभागों से की गई ताकि मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन का अनुमोदन प्राप्त करने से पूर्व पर्यावरण विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यशाला में विचार–विमर्श कर राज्य की योजना को अन्तिम रूप दिया जा सके।

3. बैठक में प्रस्तावित एजेण्डा बिन्दुओं पर क्रमवार चर्चा की गई।

एजेण्डा बिन्दु–1 कोर ग्रुप की प्रथम बैठक दिनाँक 07.03.2011 के कार्यवृत्त की अनुपालन आख्या पर वार्ताः

कोर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत प्रगति का संज्ञान लेते हुए अपेक्षा की गई कि समस्त विभाग अपने से सम्बन्धित बिन्दुओं पर कृत कार्यवाही से एक सप्ताह के अन्तर्गत जलवायु परिवर्तन प्रकोष्ठ, स्वारा को अवगत करा दें। विस्तृत विवरण संलग्नक–1 पर है।

एजेण्डा बिन्दु–2 राज्य द्वारा जल मिशन हेतु चयनित 22 कार्य बिन्दुओं हेतु समयबद्ध कार्य योजना तथा क्रियान्यवयन हेतु धन की आवश्यकता पर चर्चाः

बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा की गई। यह पाया गया कि जलवायु मिशन के अन्तर्गत किसी भी विभाग ने अपनी कार्य योजना प्रेषित नहीं की है।

निर्णय लिया गया कि सभी सम्बन्धित विभाग राज्य जल मिशन के अन्तर्गत चिन्हित बिन्दुओं पर एक माह में विभागीय कार्यवाहियों का विवरण/कार्ययोजना उपलब्ध कराएं। विस्तृत विवरण संलग्नक–2 पर है।

एजेण्डा बिन्दु–3 जी0टी0जेड0 इण्डिया की ड्राफ्ट स्टेट एक्शन प्लान रिपोर्ट पर विचार विमर्श :

उत्तर प्रदेश की जलवायु परिवर्तन हेतु जी0टी0जेड0 द्वारा प्रस्तावित कार्य योजना की चर्चा में अवगत कराया गया कि इस रिपोर्ट में जल मिशन से सम्बन्धित कोई कार्य योजना प्रस्तावित नहीं की गई है।

निर्णय लिया गया कि जल से जुड़े विभाग अपनी–अपनी कार्य योजनाएं विलम्बतम एक माह में प्रस्तुत करें।